



# VISION IAS

www.visionias.in

VISION IAS  
25 JUL 2023  
RECEIVED

11:30-2:30

## GENERAL STUDIES (TEST CODE : 2421)

Name of Candidate	VIPIN DOBBY	Registration Number	584126
Medium Hindi/Eng.	HINDI	Date	25-07-23
Center	MUKHERJEE NAGAR		

INDEX TABLE		
Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1(a)	10	
1(b)	10	
2(a)	10	
2(b)	10	
3(a)	10	
3(b)	10	
3(c)	10	
4(a)	10	
4(b)	10	
5(a)	10	
5(b)	10	
6(a)	10	
6(b)	10	
7	20	
8	20	
9	20	
10	20	
11	20	
12	20	

Total Marks Obtained:

Remarks:

Signature of Examiner

## INSTRUCTIONS

- Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).  
उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न-पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
- There are **TWELVE** questions printed in **HINDI & ENGLISH**  
इसमें बारह प्रश्न हैं हिन्दी और अंग्रेजी में छपे हैं।
- All questions are compulsory.**  
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
- The number of marks carried by a question/part is indicated against it.  
प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
- Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.  
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
- Word limit in questions, if specified, should be adhered to.  
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
- Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.  
उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

16-B, 2<sup>nd</sup> Floor, Above National Trust Building, Bada Bazar Marg, Old Rajinder Nagar, Delhi-110060

Plot No. 857, 1st Floor, Banda Bahadur Marg (Opp Punjab & Sindh Bank), Dr. Mukherjee Nagar  
Delhi- 110009



## EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best



## SECTION - A

1. (a) दुनिया भर के समाजों में मूल्यों में निरंतर नैतिक गिरावट हो रही है और अब समय आ गया है कि शिक्षकों को आगे आकर व्यक्तिगत, सामाजिक और व्यावसायिक नैतिक मूल्यों को विकसित करने के लिए मनुष्यों की इच्छा को फिर से जागृत करने का प्रयास करना चाहिए। क्या आप इस बात से सहमत हैं कि देश में बदलते सामाजिक परिदृश्य के मद्देनजर, मूल्यों की शिक्षा युवाओं के लिए न केवल कुशल बलिक नैतिक रूप से मजबूत पेशेवर बनने हेतु तकनीकी शिक्षा के समान ही महत्वपूर्ण है। व्याख्या कीजिए।

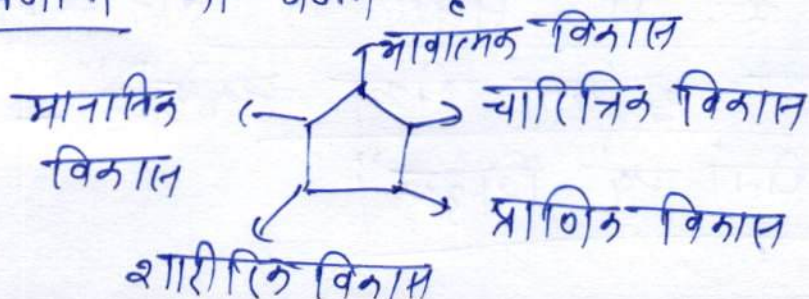
Societies across the world are witnessing a gradual moral decline in values and it is time that educators stepped in and made efforts to rekindle the desire of human beings to develop personal, social, and professional moral values. Do you agree that in the wake of changing social landscape in the country, value education is as important as technical education for the youth to become not only skilled but also morally strong professionals? Explain. (Answer in 150 words) 10

निस प्रकार मजबूत संस्कृति के  
लिए सुदृढ़ नींव की आवश्यकता पड़ती है,  
उसी प्रकार कुशल व्यक्तित्व के लिए  
'मूल्यपरक शिक्षा' की आवश्यकता होती है।

मूल्यपरक शिक्षा की प्रासंगिकता

- ① व्यावसायिक सक्षमताएं एवं नैतिक सक्षमताएं का  
होना → इससे संश्लेषण सक्षमता का विकास  
होगा। → Holistic Competence

- ② तैत्तिरीय उपनिषद् में शिक्षा की 'पंचकोश  
प्रणाली' का वर्णन है





③ गांधी जी भी कहते हैं कि 'चित्र  
के बिना ज्ञान 'निर्धन' है।

④ 'विद्या ददाति विनयम्' की संकल्पना  
के अनुसार → नैतिक मूल्यों का व्यस्तित्व  
में समावेश।

⑤ अस्वच्छा जैसी समस्या का हल  
↳ विजय माया, नीलम मोदी आदि  
में नैतिक मूल्यों का समावेश।

⑥ सर्वेपथशील सिविल सेवर  
↳ सिविल सेवकों में  
नैतिक मूल्यों का समावेश → लोकतांत्रिक  
मूल्यों में मजबूती → सिविल सेवा में पुष्कल

अ. ए. जी. जे. बल्लुल कलाम जी  
भी कहते हैं कि "यदि राष्ट्र को  
अस्वच्छा मुक्त एवं सुंदर बनाने वाला  
बनाना है तो संसार के तीन लोगों  
प्रत्येक पूर्ण भूमिका निभा सकते हैं -  
माता-पिता एवं शिक्षक"



1. (b) गुरु नानक देव जी का मानना था कि धर्म, जाति और लिंग पर ध्यान दिए बिना, प्रत्येक व्यक्ति को दूसरों का भला करना चाहिए और केवल तभी उसे बदले में भलाई मिल सकती है। गुरु नानक देव की महत्वपूर्ण शिक्षाओं पर चर्चा कीजिए जो वर्तमान युवाओं के लिए प्रासंगिक हैं।

Guru Nanak Dev ji believed that despite religion, caste, and gender, everyone should seek well for others and only then one can have that goodness back in return. Discuss the important teachings of Guru Nanak Dev ji relevant to the youth of today. (Answer in 150 words)10

गुरुनानक देव ने समाज के  
समावेश के लिए 'परोपकार के सिद्धांत'  
का समर्थन लिया। उनका मानना था  
कि सभी जीव 'वाहे गुरु' की सन्तान हैं।  
[उनकी महत्वपूर्ण शिक्षा एवं प्रासंगिकता]

① [गैर भेदभावपूर्ण व्यवस्था]

→ समाज के सिद्धांत  
को मानते हुए सभी जीवों में बरकत  
की मूल्य होना। → [समावेशी विकास]

② [महिलाओं हेतु] → लैंगिक समानता के के  
पक्षधर थे; महिलाओं को पुरुषों के  
समान अधिकार दिलाना चाहते थे  
→ [SDG-5]

③ [नैतिकता] → नैतिकता के बिना ज्ञान  
बड़ा भ्रष्टाचार होता है, ऐसे में नैतिक मूल्यों  
का समावेश आवश्यक है → Code of Conduct and  
code of ethics



④ वैज्ञानिकता → शिक्षा में विज्ञान के तत्वों का समावेश हो जिससे मानव विचार एवं विश्लेषण कर सके।  
↳ IT उद्योग, इंटरनेट आदि में प्रमुख

⑤ समन्वय → उन्होंने विभिन्न पक्षों में समन्वय का प्रयास किया। जैसे- क्षति का परिहार, मध्यम मार्ग → हास्य

⑥ कृष्णा → गुरु नानक जी ने कृष्णा को शिक्षा का सारतत्व माना  
↳ अविद्या के त्रिभिन्न तत्व का आधार है।

हात! गुरु नानक जी ने शिक्षा को व्यक्तित्व का मूल आधार माना।  
नेल्सन मंडेला ने भी कहा है - "शिक्षा सबसे शक्तिशाली हथियार है जिससे आप दुनिया में बदलाव ला सकते हैं।"



2. (a) घर से काम करने की संस्कृति, जिसे कोविड-19 महामारी के प्रसार के साथ व्यापक स्वीकृति मिली है, ने निजी संगठनों में कई नैतिक चिंताएं उत्पन्न की हैं, जिनमें मूनलाइटिंग (दो नौकरियां करना) प्रमुख चिंताओं में से एक है। क्या आपको लगता है कि किसी कर्मचारी के लिए मूनलाइटिंग करना नैतिक है? चर्चा कीजिए।

The 'work from home' culture that gained wide acceptance with the outbreak of the COVID-19 pandemic has led to many ethical concerns for private organizations with moonlighting being one of the most prominent ones. Do you think that it is ethical for an employee to practice moonlighting? Discuss. (Answer in 150 words)10

कोविड-19 महामारी ने समाज के समुच्च होने चिंताएं उत्पन्न करा दी हैं; जो संगठनों के नए ढांचे की ओर हैं। मूनलाइटिंग भी इसी का उदाहरण है।

### मूनलाइटिंग का पक्ष

- ① आर्थिक आवश्यकता - एक रोजगार से आवश्यकता बहुत बुराई का सूजन न होना
- ② बैटिक उपयोग - व्यक्ति अपने बैटिक स्तर का अधिक से अधिक उपयोग कर 'राष्ट्र निर्माण' में योगदान देता है।
- ③ स्वतंत्रता - संविधान का अनुच्छेद उत्प्रेरक व्यक्ति को सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक स्वतंत्रता की बात करता है।
- ④ पारिवारिक जिम्मेदारी - पारिवारिक आवश्यकताओं



की पूर्ति हेतु

वैलिक चिंताएँ

- ① मोड हाऊ कंस्ट्रक्चर दोनो कंपनियों के मोड हाऊ कंस्ट्रक्चर कलगा - कलगा हों।  
↳ क-य कंपनी में काम करने परगनाही
- ② उत्पादकता एक कंपनी में उत्पादकता कम हो जाए तो: प्रोड्यूसिबिलिटी का एक रूप है।
- ③ गुप्त सूचनाएँ व्यवसाय दिन के लिए एक कंपनी की सूचना दूसरे को दे दे।
- ④ निधि का दुरुपयोग एवं मार्ग-सांझ  
या दुरुपयोग  
↳ दीर्घकालीन मुकाम

रामधारी सिंह दिनकर जी कहना है कि "कोई भी कार्य वैलिक या कर्नेलिक नहीं होता; परिस्थितियाँ ही वैलिकता का निर्धारण करती हैं। ऐसे में सिंपल तरीके से दोनो कंपनियों में कार्य करना वैलिक है।



2. हालांकि, अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए कई संस्थान कार्यरत हैं, फिर भी, राष्ट्र अपने हितों की पूर्ति हेतु अक्सर नैतिक मूल्यों और इन संस्थानों के दिशा-निर्देशों की उपेक्षा कर देते हैं। उदाहरण सहित चर्चा कीजिए।

While there are multiple institutions to ensure fairness in international relations, states often put aside moral values and the directions of these institutions for their own interests. Discuss with illustrations. (Answer in 150 words)10

अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में नैतिक मूल्यों का समावेशन तभी होगा जब गांधी के सांसारिक रूप को याद दिये - "जिस दिन प्रेम की शक्ति शक्ति के प्रेम पर विजय प्राप्त कर लेगी दुनिया में शांति स्थापित हो जाएगी।"

समस्याएं

- ① विश्व की साझी संपत्ति का विनियमन

उदाहरण के तौर पर, दक्षिण चीन सागर, आर्कटिक क्षेत्र आदि

↳ चीन द्वारा परमिट कोर्ट ऑफ़ आर्बिट्रेशन के निर्णय को न मानना।

↳ दक्षिण का सैनिकरण → बाह्य मंडल में संघर्ष के होने का

- ② निःशस्त्रीकरण - NPT, CTBT, TPNW एवं निःशस्त्रीकरण सम्मेलन के बाद भी SIPRI की रिपोर्ट है कि परमाणु हथियारों में बढ़ोतरी



③ बैहिक संपदा बढ़िया - विकसित देशों की भनगरी, विकासशील एवं अन्य विकसित देशों की समस्याएँ  
 ↳ कोविड के दौरान कोरोना टीकों का चैटेन् करना (VNA)

④ परापराणीय समस्याएँ - संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP) की कोशिशों के बाद की विकासशील देशों को 100 बिलियन डॉलर की प्राप्ति न होना।

⑤ सीमा विवाद - भारत-चीन, भारत पाकिस्तान बादि में  
 ↳ इनके संधिपाँ, इनके संझान

अंतराष्ट्रीय क्षेत्र में निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए वसुधैव कुटुम्बकम्, बहुलतावादी संस्कृति एवं गुजराल के जगद्गुरु की प्रासंगिकता सभ्य की भाँगा है।



3. निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके लिए क्या अर्थ है?

What does each of the following quotations mean to you?

(a) "बुद्धिमानी से कार्य करने के लिए बुद्धिमत्ता से अधिक की आवश्यकता होती है।" - फ्योदोर

दोस्तोयेव्स्की

"It takes something more than intelligence to act intelligently." - Fyodor Dostoyevsky (Answer in 150 words)10

पॉटर स्टीवर्ट का कथन है -

"आपको क्या करने का अधिकार है, और  
आपको क्या करना उचित है; के बीच  
अंतर को जानना ही वैदिकता है।"

फ्योदोर साख का मानना ​​की

यही है कि बुद्धिमानी से कार्य करने के  
लिए बुद्धिमत्ता से अधिक अधिक अधिक,  
प्रशिक्षण, वैदिक मूल्य स्थापित की आवश्यकता  
होगी है।

आशय - आशय यह है कि बुद्धिमत्ता एक  
संकीर्ण संकल्पना है जिसमें ज्ञान, प्रशिक्षण,  
अधिक, बुद्धिमत्ता, वैदिकता, अनुभव स्थापित  
के आधार पर परिपक्वता होती है और  
निर्णय निर्माण में इसी परिपक्वता की  
आवश्यकता होगी है।



प्रासंगिकता (IAS)

- ① स्मिता लखवाल - Fund Your City कार्यक्रम  
की शुरुआत  
↳ P4 (पब्लिक, प्राइवेट, पीपल पार्टनरशिप  
की शुरुआत)  
बुद्धिमता के साथ-साथ पहल की आवश्यकता

- ② देवांशु चादव (IAS) - उत्तर पूर्व के  
घातों को उच्च शिक्षा के लिए  
क्राइड फंडिंग की शुरुआत।

↳ बुद्धिमता + संवेदना + कला

- ③ डा० हनुमंत राव पसुपेली - पद्म प्रसाद से  
सम्मानित  
↳ विकलांगों के लिए जीवन समर्पित  
बुद्धिमता + अभियुक्ति + समर्पण

- ④ कैलाश तलाशी - बचपन क्याओ मांदोलन

↳ बुद्धिमता + नेतृत्व + पहलकारी  
+ दया + कल्प वैलिक गुण

गाँधी जी भी कहते हैं:-

स्वयं को खोजने का सर्वोत्तम मार्ग  
यह है कि आप अपने को दूसरों  
की सेवा में ढो दें।



3. (b) "एक लोकप्रिय सरकार, बिना लोकप्रिय जानकारी के, या इसे प्राप्त करने के साधनों के, एक ढोंग की शुरुआत या एक त्रासदी; या संभवतः दोनों है।" - जेम्स मैडिसन  
 "A popular government, without popular information, or the means of acquiring it, is but a prologue to a farce or a tragedy; or perhaps both." - James Madison  
 (Answer in 150 words) 10

भारतीय लोकतंत्र न्यायालय का मानना है कि "सूचना जनता की धरोहर है न कि उस संस्था की, जिसके पास यह विद्यमान है।"

जेम्स मैडिसन का भी यही मत है कि 'जानकारी के बिना चुनाव' माने वाले विनाश की चेतावनी है।

आशय मैडिसन साहब का मानना है कि लोकतंत्र में सूचना के दायान प्रधान के द्वारा जनता में विश्वास एवं सरकार में खुलापन आता है। वैसे समाप्त करने पर सरकार में तानाशाही, गड़बड़ का भाव आ जाता है तो राष्ट्र के कस्तित्व के लिए खतरनाक है।

प्रामाणिकता

① जन सहभागिता

↳ जनता की भागीदारी सरकार की जवाबदेही सुनिश्चित करती है।



उदाहरण - विनोद राय (IAS) ने CAS के डिपॉर्ट को सार्वजनिक करने की शुरुआत की।

② पारदर्शिता → सरकार के स्वविवेक पर कंठश एवं नागरिकों का सशस्तीकरण  
उ.सगापन (IAS) → अपने धन को सार्वजनिक निपा।

③ वस्तुनिष्ठता, निर्णयों के अनुक्रम काफ़  
राना।  
करुणा सुंराजन (IAS) - केरल में  
रि. गवर्नेंस की शुरुआत।

④ सेवा की गुणवत्ता - RTI, सिटिजन चार्टर, सोशल आउटिंग से सेवा की गुणवत्ता में इढ़ि होनी है।

अतः लोकतंत्र को शांति के सुराज एवं लिवर के सुराब्द बनाने हेतु लोकप्रिय प्रचन का माफान उफान मावश्यक है।



3. (c) "चरित्र को अनुनय का लगभग सबसे प्रभावी साधन कहा जा सकता है।" - अरस्तु

"Character may almost be called the most effective means of persuasion." - Aristotle (Answer in 150 words) 10

मार्क सुकीउसन का मानना है कि "कल पर अनुनय की जीत सम्प समाज की मिशानी है।"

किस्तू की धारणा भी यही है कि चरित्र निर्माण में निम्न कारकों का महत्व सबसे अधिक है, वह है - अनुनय।

आशय अनुनय के द्वारा व्यक्ति के संज्ञानात्मक, भावनात्मक एवं व्यवहारत्मक पक्ष को बदलने का प्रयास किया जाता है जिससे चरित्र का निर्माण होता है। विचार, मत, धारणाएँ, विश्वास, विश्लेषण, कापलात्मक पक्ष आदि का निर्माण अनुनय के द्वारा होता है।

प्रान्तगिकता ① प्रतिक्रिया - पोलियो की समस्या को दूर करने में 'कमिताभ बच्चन' का व्यक्तित्व उपयोगी रहा।



② जवाबदेहिता - लाल बहादुर शास्त्री का 1956 की तेल दुर्घटना के बाद त्यागपत्र उनके चरित्र का सूचक है  
↳ वर्तमान में भी प्रेरणा

③ विश्वासनीयता - कोविड-19 के समय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कड़ी लड़ाई पर विश्वास उनके चरित्रिक विश्वासनीयता का परिचायक है

④ कश्मीर मुद्दे पर - अनुच्छेद 370 का निरासन पर वैश्विक समुदाय का विश्वास  
↳ भारत के सर्वोच्च संसदीय, सर्वजन सुविधा सर्वजन सुखाय पर आधारित

⑤ प्रबोधन समाप्ति के दम होने पर  
↳ कड़ी लड़ाई साहस की चरित्रिक विशेषता → सभी उद्योगी समूह सेवाओं का लोगो के समस्त विश्वासनीयता दर्शाता है जिससे लोग अपने व्यवहार में परिवर्तन ला पाते हैं।



4. (a) हालांकि, निष्पक्षता को लोक सेवा के लिए प्रमुख नैतिक मूल्यों में से एक के रूप में निर्धारित किया गया है, फिर भी इसे लोक सेवाओं में करुणा के प्रति बाधक के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। चर्चा कीजिए।

While impartiality has been identified as one of the key ethical values for public service, it should not be seen as precluding compassion in public services. Explain with suitable illustrations. (Answer in 150 words)10

निष्पक्षता से काबाप राग-द्वेष,  
प्रेम, घृणा, धर्म, विंग सत्यादि के बाधा।  
से दूरे होकर निर्णय लेने से हैं किन्तु  
सामाजिक, वार्षिक एवं राजनीतिक न्याय के  
लिए सकारात्मक प्रभाव किया जा सकता है।

निष्पक्षता  
आवश्यकता

① सामाजिक न्याय के लिए  
↳ प्रत्येक व्यक्ति के अधिकारों  
का रक्षण हो

② योग्यता - निष्पक्षता योग्यता की पूर्व  
शर्त है; भर्ती प्रक्रिया में निष्पक्षता, योग्य  
व्यक्तियों का चुनाव करेगी।

③ नागरिक केन्द्रित शासन - इससे विश्वास  
सूजन होगा → सहभागिता → नागरिकों  
का सशक्तीकरण → लोकतंत्र मजबूत होगा।



## निष्पक्षता + कर्मणा

- ① समातात्मक पक्षपात को बढ़ावा  
↳ दिव्यांग, दैवान, ट्रांसजेंडर, बच्चों एवं महिलाओं के पक्ष में।
- ② भाषण का माध्यम संविधान में भी भाषण को वैध बताया गया है।  
↳ जान कल्प के अनुसार - कोई भी जंगी इतनी ही मजबूत होती है जितनी उसकी सबसे कमजोर कड़ी।"
- ③ त्रैलिकता - यदि किसी जगत्तमंद महिला के पास बायोमेट्रिक आधार कार्ड नहीं है, फिर भी PDS का लाभ देना।
- ④ बुद्ध का मानना है कि "कर्मणा सबसे बड़ा धर्म है" - "किसे कि अपराध का त्याग करना"
- पितृकुल का मानना है कि बसल भी सत्य का स्थान ले सकता है यदि उसका परिणाम निष्कलंक सार्वजनिक कल्याण हो।"



4. (b) प्रशासकों द्वारा धारित शक्ति, यदि सही तरीके से प्रयोग की जाए तो देश को महान लाभ प्रदान कर सकती है, लेकिन यदि इसका दुरुपयोग किया जाए तो क्षति और अपमान का कारण बन सकती है। सविस्तार वर्णन कीजिए।

The power, which administrators wield, can bring the nation great dividends if rightly used, but can bring harm and disrepute if abused. Explain with suitable illustrations. (Answer in 150 words) 10

नेपोलिपन बोनापार्टि का मानना  
है कि "महत्वाकांक्षा महान चरित्र का  
गुण है जो उसे संपन्न है वे पा  
ते बहुत बुरे बंधवा बहुत बड़े  
कार्य कर सकते हैं, ये उन सिद्धांतों पर  
आधारित है जिनसे वे निर्देशित होते हैं।"

प्रशासक भी इसी महत्वाकांक्षा  
एवं निर्देशन के अनुरूप कार्य करते हैं।

सही तरीके से प्रयोग

- ① बेहतर कार्य संस्कृति - अनुशासन, दीन  
वर्क को बनाना

↳ ई-ग्रीधन - भेदो का कायम  
कर दिया

- ② जनकल्याण - जनता का व्यवस्था में  
विश्वास बनाना

↳ प्रत्यक्ष बजट (2A) - बिहार के सड़क, पुल,  
बिजली क्षेत्र में आयुल-युल परिवर्तन



③ समावेशन - दिल्ली देवराजन (DAJ) ने जनजातीय विकास के लिए उनके साथ सहना शुरू कर दिया।

④ साम्प्रदायिक सौहार्द - संतोष मित्रा (ISM) जिस समुदाय से बात करते हैं, उनके ही काराध्य से संबंधित कर लेते हैं।  
दुरुपयोग

① मोपला घोटाला, 24 घोटाला एवं राष्ट्रमंडल घोटाला।

② काविश्वास - तमिलनाडु के एक अपराधियों के दौरे पैचकल से निकालना

③ लोक निधि का दुरुपयोग

बाल छात्रिक  
प्रत्येक कल्याण क्षेत्र का 95% उपयोग नहीं - बाल भ्रम 10% मिनिमम है।

④ नैतिक मूल्यों का हास

↳ संवेदशीलता, गैर जवाबदेहिता

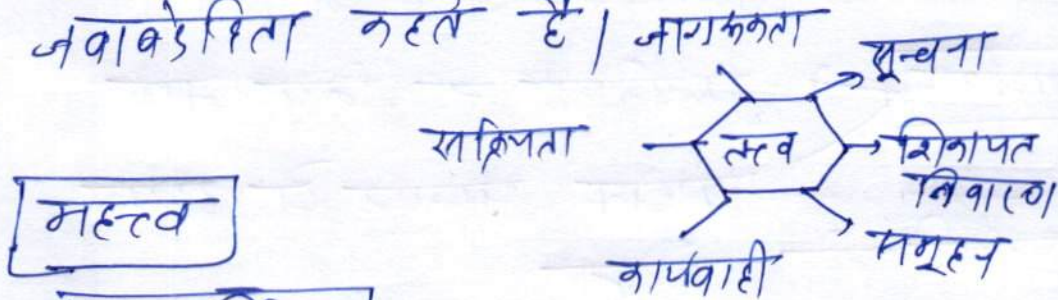
गांधी के राजवाज्य एवं निवेष्टक के तपनो 3 लोकतंत्र हेतु प्रशासन को उपनिषद् के क्रिये मार्ग के मनुष्य कार्य करना चाहिए।



5. (a) 'सामाजिक जवाबदेही' पद से आप क्या समझते हैं? इसके महत्व की व्याख्या कीजिए और किसी भी सामाजिक जवाबदेहिता संबंधी पहल की सफलता हेतु उत्तरदायी प्रमुख कारकों पर चर्चा कीजिए।

What do you understand by the term 'social accountability' and what is its significance? Discuss the critical factors responsible for the success of any social accountability initiative. (Answer in 150 words)10

सामाजिक जवाबदेही से शाश्वत सामाजिक स्तर पर जवाबदेहिता के निर्धारण से है। जब NGO's एवं अन्य सिविल सोसायटी के प्रति जवाब देने की बाध्यता हो; सामाजिक जवाबदेहिता कहते हैं। जागरूकता



① पारदर्शिता → NGO's, SHS's की ज़ाबानीदासी से संस्थान की बाध्यता

② जुलापन → सूचना का बाधान प्रदान से संस्थान में जुलापन → अनुक्रियाशीलता

③ आंगरी की उडगवता में इहि → सूचना के खरखाव प्रक्रिया में सुधार।

④ नागरियों का सहभागिता → सहभागिता में इहि



सफलता हेतु कारक

- ① जवाबदारी सामाजिक जवाबदेही के प्रति नागरिकों में जागरूकता
- ② श्रुचना → नीतिगत के संबंध में  
कार्यक्रम के संबंध में
- ③ प्रशासनिक निष्ठा → समिति का निर्माण  
श्रुचना की जनता के  
साथने पाना
- ④ समूह → लोगों के हाथ प्रश्न प्रश्न  
सहिपता सुनिश्चित करना
- ⑤ कार्यवाही → दुरुपयोग न किया जाए  
संबंधित संस्थान से शक्ति  
कार्यवाही की अपेक्षा

2<sup>nd</sup> ARC के अनुसार चार दिशा  
से कायाप जवाबदेही एवं खुलापन से  
है। 'सामाजिक जवाबदेहिता' रती का  
त्रैलिक पक्ष है।



5. (b) डेटा संचालित प्रौद्योगिकियों पर अत्यधिक निर्भरता के परिणामस्वरूप डेटा उपनिवेशीकरण और डिजिटल तानाशाही की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। इस संदर्भ में उत्पन्न होने वाले विभिन्न मुद्दों पर चर्चा कीजिए और उपचारात्मक उपायों का सुझाव दीजिए।

Too much dependence on data driven technologies can result in data colonisation and digital dictatorship. Discuss the various issues that may arise in this context and suggest remedial measures. (Answer in 150 words)10

शरीर शास्त्री में डेटा को  
विकास का ईंधन कहा जा रहा है। ऐसे  
में डेटा की दुआए एवं लोकतांत्रिक  
प्रक्रिया में दुरुपयोग को रोकना  
उत्प्रेरक सामान की जिम्मेवारी है।

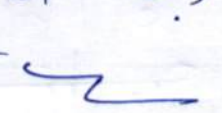
डेटा उपनिवेशीकरण

- ① बड़ी-बड़ी कंपनियाँ द्वारा डेटा का  
प्रबंधन — गूगल, फेसबुक
- ② डेटा का दुरुपयोग करना  
↳ अपनी नीतियों के  
निर्माण में  
↳ स्वास्थ्य उल्लंघन का दबाव
- ③ डेटा की बिक्री — ये कंपनियाँ  
व्यक्ति के डेटा को बेच देती हैं।



④ निजात का इल्मधन दुइलाक़ा  
बाद में निजात को शुल अखिरा  
माना गया है

डिटा उपनिवेश नकल

① डेला के के देशों में लैगलि  
है  1958 में गुगल द्वारा लैगलि

② डेला की छचना मॉगेने पर  
देती एवं मनाही  
↳ एडाइस एपे नहीं डेला है

③ डेला पर स्वयं का अधिकार  
नहीं।

④ डेला के द्वारा राष्ट्रीय सुभा  
का पतल

उपाय ~~सुभा~~ डेला के  
डेला गवर्नर्स की स्थापना  
डेला का सेग्रेग डेला देश में  
जहाँ डेला को  
कृष्णा समिति के जवधानों को बाद  
डेला के उपयोग बाद लैगलि



6. (a) पूर्वाग्रह और भेदभाव को जब दूर नहीं किया जाता है तो इनमें संघर्षों को हिंसा में बदलने की क्षमता होती है। उदाहरण सहित चर्चा कीजिए।

Prejudice and discrimination when left unaddressed have the potential to turn conflicts into violence. Discuss with examples. (Answer in 150 words) 10

पूर्वाग्रह और भेदभाव समाज में बसहिष्णुता को जन्म देते हैं जिससे सम्मान, संवाद, स्वीकार्यता एवं सामंजस्य के मूल्यों के स्थान पर हिंसा, संघर्ष बदले की भावना छिड़ि प्रबल हो जाती है।

पूर्वाग्रह, भेदभाव ⇒ हिंसा, संघर्ष

- ① धृणा — इससे धृणा का जन्म होता है।

“धृणा व्यक्ति की बुद्धिमत्ता एवं बुद्धिमत्ता के लिए संशय है जो राष्ट्र के चित्र को विध्वस्त कर सकती है”  
(गांधी जी)  
मुजफ्फरनगर की धृणा (2013)

- ② क्रोध एवं बसहिष्णुता — गांधी कहते हैं: “क्रोध एवं बसहिष्णुता एक ही समझने दो शब्द हैं”

— कश्मीर में कश्मीरी हिंदू के साथ हिंसा



③ भाषाची संघर्ष 60 के दशक में हिन्दी एवं गैर हिन्दी भाषी में हिंसक संघर्ष हुआ।

④ नृजातीय संघर्ष नागपुर में वर्तमान में जाति झुकी-मैलेपी का संघर्ष मेइथाप से ही शुरू हुआ है।

⑤ श्वेत-वश्वेत संघर्ष नास्तीप संघर्ष का अमेरिका सदियों से साक्षी रहा है।

⑥ साम्प्रदायिकता हिन्दू-मुस्लिम का संघर्ष एवं जातीय हिंसा → 1973 का बेलही काण्ड  
→ 1992 का बावरी मजिद घटना

कीनदयाल उपोद्घाप के एकाल मानवाद एवं ब्राम के क्रिस्टेववाद के अनुक्रम सच्ची मानव समान हैं एवं इस्वकी संगत हैं। अतः इनमें कोई नहीं करना चाहिए।



6. (b) हालांकि, 'मी टू मूवमेंट' ने कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न के संबंध में कुछ असंतोष की ध्वनि पैदा करने में मदद की है, लेकिन यह भारत में कार्य संस्कृति पर स्थायी सकारात्मक प्रभाव उत्पन्न करने में विफल रहा है। क्या आप सहमत हैं?

Though the 'Me Too Movement' helped in creating some murmur with respect to sexual harassment of women at workplace, it has failed to create a lasting positive impact on the work culture in India. Do you agree? (Answer in 150 words) 10

मी टू मूवमेंट पितृपुत्रता  
समाज के द्वारा महिलाओं के आवाज  
के दबाव में चला गया कांटेल्स  
था।

सफलता

① इस कांटेल्स के द्वारा किसी नए  
संस्थानों की मूल्यों के प्रति  
अनास्था पकट रही।

② बड़े-बड़े पदों पर बैठे लोगों  
द्वारा अमानवीय कार्य हमारे  
सामने आया।

③ लोगों में (पुरुषों) में अंध  
भी बढ़ा।

④ महिलाओं की आवाज पकट  
रही।



निष्कर्ष

- ① कोई अंतोव्यक्त कार्य देखने  
को नहीं मिला।
- ② कुछ समय बाद सब रोज़े  
भूल गए।
- ③ महिलाओं के पुरुषों पर  
मानव आरोप भी लगाए।
- ④ इस आरोपों पर प्रभावकारी  
कादमी कार्यवाही नहीं हुई।

युवा महिला कार्यकल की  
जनसांख्यिकी लगावा की प्रासंगिकता  
सिद्ध कर सकता है ऐसे में कार्यस्थल  
पर उनका संलग्न आवश्यक है।



## SECTION – B

निम्नलिखित प्रश्नों में, प्रस्तुत प्रकरणों का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए और उनके आगे आने वाले प्रश्नों के उत्तर दीजिए (लगभग 250 शब्दों में):

In the following questions, carefully study the cases presented and then answer the questions that follow (in around 250 words):

7. आप लगभग 15 वर्षों से एक प्रसिद्ध व्यावसायिक सलाहकार कंपनी में काम कर रहे हैं और आपको वरिष्ठ कार्यकारी स्तर पर पदोन्नत किया गया है। मीरा नाम की आपकी एक कनिष्ठ सहकर्मी है, जिसे आप समय-समय पर सलाह देते रहे हैं। आपके मार्गदर्शन के साथ-साथ उसने कंपनी में जो समय और सहयोग दिया है, उसने उसे संगठन में पेशेवर रूप से तेजी से उन्नति करने हेतु प्रेरित किया है। काम का माहौल भी उसके विकास के अनुकूल रहा है। इस बीच, मीरा की माता पिछले कुछ वर्षों से बीमार हैं और उन्हें चिकित्सीय देखभाल की आवश्यकता है। समय के साथ उसके चिकित्सीय व्यय में भी तेजी से वृद्धि हो रही है।

हाल ही में, मीरा को आपके बॉस द्वारा यौन उत्पीड़न के एक असहज अनुभव का सामना करना पड़ा, जिसके बारे में उसने कंपनी के मानव संसाधन विभाग (HRD) को तुरंत सूचना दी। संबंधित बॉस का कंपनी की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान रहा है और वह कंपनी के भीतर एवं बाहर भी अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। उन्होंने मीरा को इस मुद्दे के निपटारे के लिए अप्रत्यक्ष रूप से एक बड़ी राशि की पेशकश की है। अगर मीरा उसके प्रस्ताव को स्वीकार कर लेती है, तो उसे एक गैर-प्रकटीकरण समझौते पर हस्ताक्षर करना होगा जो मीरा को इस मुद्दे को फिर से खोलने या इसके बारे में चर्चा करने से रोकता है। मीरा को पता चला है कि संबंधित बॉस पहले भी इस तरह की हरकतों में शामिल रहा है। कंपनी में उसके पद और उसके संबंधों को देखते हुए, मीरा को लगता है कि वह भविष्य में उसके करियर के लिए खतरा हो सकता है। लेकिन उसे पैसों की भी सख्त आवश्यकता है।

दी गई परिस्थितियों में, निम्नलिखित के उत्तर दीजिए:

- इस मामले में शामिल मुख्य हितधारकों की पहचान कीजिए।
- उपर्युक्त मामले में सत्यनिष्ठा और नैतिकता से संबंधित मुद्दों पर प्रकाश डालिए।
- मीरा के पास कौन-से अन्य विकल्प उपलब्ध हैं? उसे किस विकल्प का चयन करना चाहिए और क्यों?

You have been working in a well-known business consultancy company for nearly 15 years and have been promoted to a senior executive level. You have a junior colleague, named Meera, whom you have been mentoring from time to time. The time and effort she has invested in the company along with your guidance has led her to rapidly grow professionally in the organisation. The work environment has also been conducive for her growth. Meanwhile, Meera's mother has been ill and requiring medical attention for the past few years. Her medical bills have been increasing rapidly over time.

Recently, Meera encountered an uncomfortable experience of sexual advances at the hands of your immediate boss, which she reported to Human Resources Department (HRD) of the company instantly. The concerned boss has been instrumental in the success of the company and is also well-connected within the company and beyond. He has indirectly offered a large amount for the settlement of this issue to Meera. If Meera accepts his offer, she will have to sign a non-disclosure agreement that restricts her from re-opening the issue or even discussing



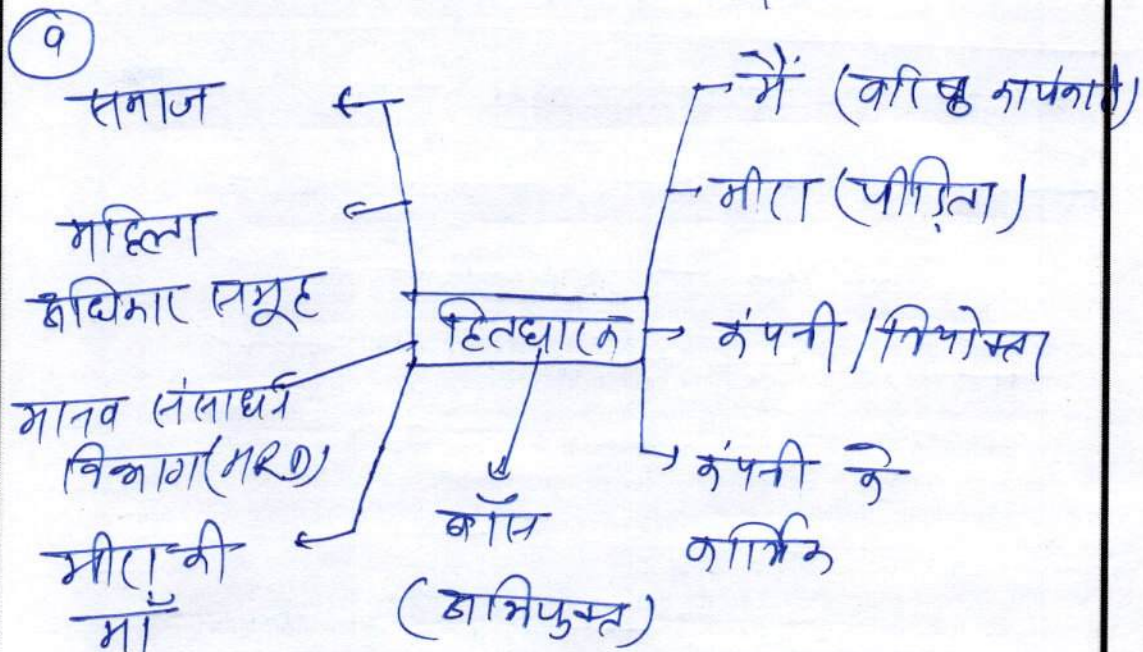
about it. She came to know that the concerned boss has been involved in similar acts earlier as well. Given his position in the company and his connections, Meera feels that he could be a threat to her career in the future. She is also in dire need of money.

In the given circumstances, address the following:

- Identify the main stakeholders involved in this case.
- Highlight the issues related to integrity and ethics in the case above.
- What are the various options available to Meera? Which option should she choose and why? (Answer in 250 words)

20

विशाला गावडलबंस' एवं पिअ  
एक्ट-२०१३' के बाद की कार्यस्थल पर  
चौर इन्टीग्रिटी की घटना बनी हुयी है  
जिससे "पुवा महिला कार्यबल" प्रभावित  
होती है। यह कैसे हल की गयी  
समस्या पर आधारित है।





⑥ उपरिष्ठ मामलों में मुझे

① गिरा के समझ : माँ का स्नान  
करना उनका ऋणित्व है।

- १) कार्मिक तंगी के कारण समस्या  
हो रही है।
- २) कार्यस्थल पर चीन उत्पीड़न हुआ।
- ३) समझौते का दबाव है।
- ४) कार्यसंस्कृति पर बुरा प्रभाव पड़ेगा।
- ५) सेवा की गुणवत्ता प्रभावित होगी।
- ६) समानुभूति, करुणा, सत्यनिष्ठा जैसे मूल्य।
- ७) कंपनी के कार्मिक हित पर प्रभाव।

② कंपनी के समझ : कंपनी की धर्मिक  
ब्रांडिंग प्रभाव होगी।

- १) बॉल व्यावसायिक उत्पादक हैं।
- २) कंपनी की कार्यसंस्कृति पर बुरा  
प्रभाव।
- ३) SC के निर्वाचन की जवाबदेही।
- ४) कंपनी के चीफ ऑफ कंस्ट का उल्लंघन।
- ५) कॉर्पोरेट गवर्नेंस के नियमों का  
पालन करना।



① विकल्प

① चेतों को स्वीकार करना एवं समझना  
करना -

**गुण** - माता की सेवा की आवश्यकता  
कार्पिक लगाना का समायोजन  
कंपनी की धारि करी रहेगी  
स्वयं की कंपनी में इन्कति

**दोष**

सत्यनिष्ठा का अभाव  
कपटाल को जोत्साहन  
कोउ कोउ एचिक्स का उल्लंघन  
समझोतावादी चरित - कमजोर चरित

② बॉस पर सख्त ऐम्पशन लेन का दबाव

**गुण** - अच्छी कार्य संस्कृति का विकास  
समाप्तमूर्ति रूप से मजबूत नदम  
सेवा की गुणवत्ता उचित हो  
कार्पोरेट मन्त्रालय का सदुपयोग  
विधि के अनुसार

**दोष**

कंपनी के हित का ध्यान न (जना)  
माँ की लगाना के उचित उदात्तता  
बॉस से समाप्तमूर्ति सेवा न करना



③ मैं निम्न विकल्प चुनूंगा।

2 मैं HRD से इतनी प्रियता जांच करने एवं काम को वांछित देने के संबंध में बात करूंगी -

1) पैसों का आवेदन स्वीकार नहीं करूंगी

- दोषित्व** → केवल वांछित देकर दोड़ देने से कंपनी-हित एवं कार्मिक हित बना होगा
- पैसों को स्वीकार न करने से सत्यनिष्ठा बनी रहेगी
  - छात्र के महत्त्व प्रतिपदा का बढावा।
  - माँ के रत्न के लिए कंपनी से लोन प्राप्त करना।
  - CCTV लगाने का सुझाव देना।

अतः उदय को एक रमैरी, खास बोर्देज रमैरी खास 3 प्रमुख संगम में ICC की स्थापना एवं CCTV जैसे सुधारों से यह समाज सहाय हो सकी है।



8. आप हाल ही में एक फार्मास्यूटिकल कंपनी में शामिल हुए हैं वहां आपका पद रीजनल सेल्स मैनेजर का है। आपको एक वर्ष के लिए बिक्री लक्ष्य दिया गया है, जो आपके आकलन के अनुसार असामान्य रूप से अधिक है। हालांकि, बाजार का सर्वेक्षण करने पर, आपने पाया है कि प्रतियोगी ऐसे लक्ष्यों को प्राप्त कर रहे हैं। गहन विश्लेषण करने पर, आपको डॉक्टरों को उनके मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव्स द्वारा उपहार, भुगतान और आतिथ्य लाभ देने की अनैतिक प्रथाओं के बारे में पता चलता है। यह यूनिफॉर्म कोड ऑफ फार्मास्यूटिकल्स मार्केटिंग प्रैक्टिस द्वारा प्रतिबंधित है। आपने इस संबंध में नेशनल सेल्स मैनेजर से संपर्क किया लेकिन उन्होंने जारी किए गए लक्ष्यों को किसी भी कीमत पर प्राप्त करने का संकेत दिया है। आपने डॉक्टरों को अनैतिक प्रोत्साहन देने की प्रथा में शामिल न होते हुए एरिया सेल्स मैनेजर्स को अपने-अपने निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने इन प्रोत्साहनों और लाभों को दिए बिना लक्ष्यों को पूरा करने में असमर्थता संबंधी अपनी चिंताओं को व्यक्त किया है।
- (a) इस संदर्भ में, आपके द्वारा किन नैतिक दुविधाओं का सामना किया जा रहा है?
- (b) आपके समक्ष उपलब्ध विकल्पों के गुणों और दोषों पर चर्चा कीजिए? आप इन विकल्पों में से किसका और क्यों चयन करेंगे?
- (c) फार्मास्यूटिकल क्षेत्र के पास अपने उत्पादों के विपणन के लिए कौन-से नैतिक विकल्प उपलब्ध हैं?

You have recently joined as a Regional Sales Manager of a pharmaceutical company and have been given a sales target for the year, which is unusually high as per your assessment. On surveying the market, however, you have observed that the competitors are achieving such targets. On a deeper analysis, you come across unethical practices of giving gifts, payments and hospitality benefits to doctors by their medical representatives. This is prohibited by the Uniform Code of Pharmaceuticals Marketing Practices. You contacted the National Sales Manager in this regard but he hinted at achieving the released targets at whatever cost. You directed the Area Sales Managers to meet their respective targets while not engaging in the practice of unethical incentives to the doctors. They have communicated their concerns regarding their inability to meet the targets without provision of these perks and benefits.

- (a) What are the ethical dilemmas being faced by you in this context?
- (b) Discuss the merits and demerits of the options available to you? Which of these will you choose and why?
- (c) What are the ethical alternatives available to the pharmaceutical sector to market their products? (Answer in 250 words)20

वर्तमान उपभोक्तावादी संस्कृति में प्रत्येक व्यक्ति इसी को उपभोक्ता समझ रहा है। ऐसे में लाभ लेने के लिए गलाकाट प्रतिस्पर्धा चल रही है।



जो अनैतिक होने के साथ-साथ  
पुनर्जीवनी भी है। ऐसी ही प्रतिस्पर्धा  
एवं पुनर्जीवनी इस केस स्टडी में भी  
है।

### क) त्रैतिक पुनर्जीवनी

- ① कंपनी के लक्ष्यों को प्राप्त करके  
आवसायिक सक्षमता का परिचय देना।
- ② अनैतिक नियमों को प्रोत्साहन देना  
स्वयं अनैतिक कार्य करना।
- ③ उच्च अधिकारी के आदेश की अवहेलना  
करना।
- ④ कंपनी को हानि की डुलना में  
प्रतिस्पर्धी बनाना।
- ⑤ कर्तव्यनिष्ठा बनाम त्रैतिक मूल्य।
- ⑥ समानुश्चल बनाम समसोतावादी
- ⑦ त्रैतिक सक्षमता बनाम आवसायिक सक्षमता।

### ग) विवरण

- ① अनैतिक प्रोत्साहन में शामिल होना



**गुण** - कंपनी के लाभ को पुनर्निश्चित करने  
 अधिकारी के बॉर्डर को मान्य  
 स्वयं के सफलता का परिचय  
 देना

**दोष** - पैसिका का बहिष्कार करना।  
 मेरिकल कोड की अनदेखी करना  
 विधि व्यवस्था का इल्जाम

② मनैरिक मार्ग में शामिल होने से रोकना

**गुण** - सत्यानिष्ठा का परिचय देना  
 अधिकारी बॉर्डर काम जीवन प्रति  
 में अनहित को महत्व देना  
 मूल्यों से समझौता न करना।

**दोष** - दार्शनिक हित को ध्यान न रखना।  
 'कृति' का चुनाव करना।  
 कंपनी एवं कार्मिक हित को ध्यान न रखना

③ गिरा-चपन

① 'उच्च अधिकारियों' को इस संबंध  
 में सूचना।

② संबंधित टॉमरों से इस बारे



में बात करना।

- ③ कनेक्टिविटी के बिना बिजली लक्ष्य को प्राप्त करने का प्रयास करना।

सौचिक → तैलिक सशक्तता एवं व्यावसायिक सशक्तता का संतुलन।

→ संवाद के द्वारा समस्या समाधान

→ कठिण अधिकारियों का सहयोग प्राप्त करना।

→ डॉक्टर के एसोसिएशन IMA के समक्ष पक्ष रखना → सभी दिक्कारों से संवाद

आवश्यकता पड़ने पर 1400, मीडिया समूह एवं निविल सोसायटी का सहयोग लेना।

### ④ उपलब्ध विकल्प

अपने उत्पाद को बेचने के लिए निम्न विकल्प हैं।

- ① डॉक्टर कम्प्यूनिटी से संवाद

→ उन्हें IMA के कन्सल्टेंट रेगुलेशन चाद दिलाना।



- ② अपने उत्पाद की गुणवत्ता बढ़ाना  
कम्य के हुलना में गुणवत्ता बढ़ी  
उत्पाद से जनता के नदम जाना।
- ③ अपने उत्तिस्पर्धी कंपनियों से लंवाद  
समूह का गहन हो
- ④ मीडिया / NGO / सिविल सोसायटी  
का गहन।

कतः अब्राहम लिंकन के कथन  
को स्मरण करना चाहिए - "विपत्ति  
का सामना हो सभी कर सकते हैं,  
यदि किसी के चरित्र का परीक्षण  
करना है तो इसे बढ़ाकर दे दें।"  
इस बढ़ाकर का प्रयोग जानकित  
में करना चाहिए।



9. लोक सेवकों को आमतौर पर सरकार की योजनाओं और नीतियों को पर्दे के पीछे रहकर संचालन करने वाले अभिकर्ताओं के रूप में माना जाता है। स्थायी कार्यकारी होने के नाते, इनसे उम्मीद की जाती है कि ये सुर्खियों में आए बिना अपने कार्यों का निर्वहन करें, जबकि यह राजनेताओं पर निर्भर है कि वे अपने राजनीतिक कृत्यों के लिए सुर्खियों में रहें। हालांकि, हाल के दिनों में एक प्रवृत्ति विकसित हो रही है जिनमें लोक सेवकों, विशेष रूप से युवा लोक सेवकों ने नियमित रूप से अपनी दिन-प्रतिदिन की गतिविधियों को पोस्ट करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया है। कुछ अध्ययनों से पता चलता है कि कुछ अधिकारियों ने लोकप्रियता का वह स्तर हासिल कर लिया है जो भारत में मशहूर हस्तियों और प्रभावशाली लोगों के लगभग समान है।

सोशल मीडिया पर मौजूद इन अधिकारियों में से अधिकांश का तर्क है कि इससे उन्हें लोगों से जुड़ने में मदद मिलती है और युवा पीढ़ी को भी प्रेरणा मिलती है। हालांकि, कई वरिष्ठ लोक सेवक इस तरह की प्रवृत्ति का कड़ा विरोध करते हैं। उनका मानना है कि ऐसे अधिकारियों द्वारा साझा की गई कुछ सामग्री केवल पब्लिसिटी लेने के लिए होती हैं, ये लोक सेवाओं के 'सिद्धांतों' का उल्लंघन करती हैं और यहां तक कि उनके स्वयं के करियर के साथ-साथ समग्र रूप से सेवा के लिए भी हानिकारक हो सकती हैं। युवा अधिकारियों को विभिन्न माध्यमों से सलाह दी जा रही है कि वे अपनी छवि को फिल्मस्टार जैसा बनाने से बचें।

इस संदर्भ में निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

- लोक सेवकों द्वारा सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग से जुड़े नैतिक मुद्दे क्या हैं?
- लोक अधिकारियों द्वारा सोशल मीडिया का प्रभावी ढंग से उपयोग कैसे किया जा सकता है?

Civil servants are usually considered as the behind-the-scenes operators of plans and policies of the government. Being the permanent executive, they are expected to work without getting into the limelight while it is up to the politicians to hog the limelight for their political ends. But in recent times, a trend is developing where civil servants, especially younger ones, have taken to social media to post their day-to-day activities on a regular basis. Some studies suggest that some of the officers have attained a level of popularity that does not trail too far behind celebrities and influencers in India.

Most of these officers with social media presence argue that this helps them connect with the people and also inspire the younger generation. However, many senior civil servants strongly oppose such a trend. They believe that some of the content shared by such officers is excessively publicity-seeking, violates the 'principles' of the civil services, and may even be disadvantageous to their own career as well as the service as a whole. There have been calls from various quarters advising the young officers to desist from creating a filmstar like image of themselves.

In this context, answer the following questions.

- What are the ethical issues associated with the excessive use of social media by civil servants?
- How can social media be effectively utilized by public officials? (Answer in 250 words) 20



सोशल मीडिया के द्वारा वर्तमान में  
प्रसिद्ध होना बड़ा वास्तव है और वह  
भी लोक सेवकों को और वास्तविकी छोटी  
है। विगत एक दशक में लोकसेवकों  
का यूट्यूब चैनल, ट्विटर एवं फेसबुक  
पर सक्रियता दोगुना बढ़ गई है।

इसने जन-सुझाव के साथ ही  
कर्तव्य विभूषणता को बढ़ावा दिया है।

इसमें निहित त्रैस्तिक मुद्दे

① अनामता का इल्लंघन - सिविल सेवकों  
से अपेक्षा की जाती है कि वे  
अनामिका का पालन करें।

② पक्षितारिही - इसके लिए वे प्रत्येक  
समय अपने साथ बैग लिए रहते  
हैं - मुख्य कार्य प्रसिद्धि है, न निरीक्षण।

③ भुवाओं के लिए - भुवाओं में गलत  
भाषणा का विकास - बात में परीक्षाओं  
में असफल होने पर बालमर्त्य।



④ दबाव - इससे राजनीतिक दबाव बढ़ जाता है। विपक्ष के द्वारा सत्ता में आने पर उन्हें sideline कर दिया जाता है।

⑤ जमीनी जुड़ाव नहीं - वे केवल मोरारजी देसाई के लिए जनता से जुड़ाव दिखाते हैं।

⑥ पहुंच - जनता के व्यापक वर्ग में पहुंच का माध्यम है।

⑦ पारदर्शिता एवं जवाबदेही

जनता के समक्ष जवाबदेही को देने के लिए तकनीकी सॉल्यूशंस पर सज्जित।

समाजी दंग से उपरोक्त

⑧ शिवदीप वागन लाने (GPS बिहाट)

↳ छात्रसंघ के माध्यम से

उपलब्धता

↳ तुरन्त जवाब देते हैं।

↳ महिलाओं की सुभाह्म देश में प्रस्ताव है।



③ आपदा प्रबंधन में - हाल ही में पटियाली में बाढ़ बाढ़ में लासी माली (LMS) के कार्य

→ सभी वहा जेप ग्रुप पर मुद्रा तीव्र मदद पहुंचाया

④ नागरिकों का सक्रियकरण - जनता का विश्वास पुनर् - → पहुंच आसान - समस्या समाधान - नागरिकों की सहभागिता एवं नागरिक केन्द्रित शासन

④ नागरिकीक जवाबदेहिता - विनोद राय (IAS) ने CAA की Report सोशल मीडिया पर पोस्ट करी शुरू की → जनता के पास सूचना है।

⑤ कार्यसंस्कृति - वृक्षारोपण जैसे कार्य, स्वच्छता अभियान का आयोजन में लोगों में सकरात्मकता बारी है।



उपाय ① सोशल मीडिया एक्टिविज्म का पालन।

② 'एम्प्लाइड कर्पोरेट' को पोस्ट करने से बचें।

③ सार्वजनिक हित हेतु आवश्यक पोस्ट करना चाहिए।

④ अच्छे उदाहरणों को अवश्य दिखाना चाहिए।

⑤ स्वयं को ब्रान्डीनेंग की तरह प्रस्तुत न करें।

⑥ जनकल्याण, जनजागरण हेतु पब्लिक बात, वेबसीनेशन इत्यादि

द्वारा सोशल मीडिया के द्वारा प्रशासनिक वर्ग जन-जन तक सार्वजनिक सेवाओं को पहुंचा सकते हैं। हालांकि यह कम्प्यूटिजेशन के सिद्धांत एवं सुकरात के सिद्धांत पर आधारित होना चाहिए।



10. आप एक युवा आई. ए. एस. अधिकारी हैं और हाल ही में एक ऐसे जिले में सब-डिविजनल मजिस्ट्रेट के रूप में पदस्थापित हुए हैं जिसे "खुले में शौच मुक्त" घोषित किया गया है। हालांकि, आपको जानकारी मिलती है कि आपके सब-डिविजन के कुछ गांवों में शौचालयों की उपलब्धता के बावजूद अभी भी खुले में शौच करने की प्रथा जारी है। जिला प्रशासन में आपके सहयोगी इस जानकारी की सत्यता की पुष्टि करते हैं। आप इन गांवों के ग्राम प्रधानों को बुलाते हैं और उनसे कहते हैं कि वे अपने-अपने ग्रामीणों को खुले में शौच न करने के लिए राजी करें। लेकिन, वे इस प्रथा को पूरी तरह से बंद करने में अपनी अनिच्छा और असमर्थता व्यक्त करते हैं, क्योंकि वे कुछ मामलों में स्वयं खुले में शौच करने को सही मानते हैं। आप इस मामले पर जिलाधिकारी से चर्चा करते हैं जो आपको कोई भी आधिकारिक कार्रवाई करने से मना कर देते हैं, क्योंकि इससे जिले को दिया गया 'खुले में शौच मुक्त' का दर्जा वापस लिया जा सकता है।

एक युवा और सक्रिय अधिकारी के रूप में, निम्नलिखित का उत्तर दीजिए:

- घर में शौचालय होने के बाद भी लोग खुले में शौच क्यों करते हैं?
- इस प्रकरण में एक सब-डिविजनल मजिस्ट्रेट के रूप में आपके पास कौन-से विकल्प उपलब्ध हैं? प्रत्येक विकल्प के गुणों और दोषों पर प्रकाश डालिए।
- आप क्या कार्रवाई करेंगे?

You are a young IAS officer and have recently joined as a Sub-Divisional Magistrate in a district, which has been declared 'open defecation free'. However, you get information that some villages in your sub-division are still continuing the practice of open defecation out of habit despite availability of toilets. Your colleagues in the district administration confirm that the information is true. You call the village headmen of these villages and tell them to persuade their respective villagers to stop open defecation. But, they express their unwillingness and inability to fully stop this practice, as in some cases they themselves consider it healthy to defecate in the open. You discuss this matter with the District Magistrate who forbids you from taking any official action, as this may cause the 'open defecation free' status given to the district to be withdrawn.

As a young and dynamic officer, answer the following:

- Why do people continue to practice open defecation even when they have access to toilets?
- What are the options available to you as the Sub-Divisional Magistrate in this case? Highlight the merits and demerits of each option.
- What will be your course of action? (Answer in 250 words)20

गांव की गांव में खुले  
में शौच करते हैं जो गांव पर तो  
ठीक लगते हैं किन्तु जमीन दूषित  
होने पर है। कृषि भी प्रभावित है -



"तुम्हारे पड़ोसों में गाँव का मौसम गुनाही है  
ये मानेंगे छूटे हैं ये बतें किलाही है"

खुले में शौच जैसी समस्या  
में कने सामाजिक मान्यताएं हैं हालांकि  
ग्रामीण रसरी समस्या नि समाप्त नहीं है।

खुले में शौच के कारण

① सुबह-शाम का टहलना ग्रामीण रसके  
माध्यम से सुबह-शाम टहलन लेते  
हैं। - उनका मानना है कि शारीरिक  
स्वास्थ्य बना रहेगा।

② शौचालय का भाना - शौचालय के  
भाने के बाद उसकी सफाई करना  
दार्शनिक समस्या है।

③ समूह सामान्यतः ग्रामीण क्षेत्रों  
में लोग लक्ष्य में एक साथ  
शौच को जाते हैं।

④ खेतों की डेजरेज - रसरी क्दाने खेती  
की डेजरेज दी जाती है।



⑤ जागरूकता की कमी - खुले में शौच से उत्पन्न सारवा के बारे में जागरूक नहीं है।

⑥ उपलब्ध विकल्प

① जिलाधिकारी की बात को मान लेना

गुण - अधिकारी के आदेश को मानना  
जिले की दृष्टि बनाए रखना  
छपने लिए कतिपय कार्यभार न लेना

दोष - सत्यनिष्ठा की कमी  
ग्रामीणों की स्वास्थ्य से चिन्ता  
करना/  
कृषिजियों को डराना करना

② खुले में शौच लेने के लिए  
मुहिम चलाया -

गुण - कृषिजियों को डराना  
समस्या समाधान हेतु उपलब्ध  
नैतिक एवं पब्लिक गैर गुण

दोष - अधिकारी का विरोध



↳ स्वयं मुलीकत मोल लेना  
ग्रामीणों का विरोध सहना

③ मेरी कर्पवर्ष एवं श्रेष्ठ विकल्प

① उच्चस्थ अधिकारी से संवाद  
करना।

② ग्रामीणों को खुले में शौच से  
होने वाले बीमारी को बताना।

③ नुस्का नाटक का आयोजन  
करवाना।

④ NGOs, SHGs, बीरिया का  
सहयोग लेना

⑤ वहाँ की महिलाओं से संवाद करना  
↳ संवेदनशीलता अधिक होती है

बौद्धिक

① समस्या समाधान के लिए  
प्रयासरत होना।

② सत्यानिष्ठा, करुणा जैसे मूल्यों  
का होना।



③ गांधी कहते हैं 'मि <sup>3</sup> ज्योति  
मैंने उद नहीं अपने विचारों  
का इलाज होता है जो जैसा  
सोचता है वैसा ब्रह्मा है'

④ काण्ट का कर्तव्य के लिए  
कर्तव्य का सिद्धांत परी कहता है

⑤ बंधन एवं मूल का उपयोगितावाद  
के अनुक्रम जनता की सुख  
सुनिश्चित करना

इस प्रकार भारतीय समाज धर्म  
के धर्म, धर्म, काम, मोक्ष की  
स्थापना है, नए नए पहल लेने  
की आवश्यकता है



11. आप एक ऐसे जिले के जिलाधिकारी हैं, जो इंजीनियरिंग के साथ-साथ मेडिकल प्रवेश परीक्षाओं के कोचिंग संस्थानों का एक हब है। हाल ही में, लगभग 5 छात्रों ने शैक्षणिक और सामाजिक दबाव के कारण आत्महत्या कर ली है। देश भर से 15-18 वर्ष के आयु वर्ग के अनेक छात्र IIT और AIIMS जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रवेश पाने का सपना लेकर जिले में आते हैं। हालांकि, कोचिंग संस्थान व्यवसायिक मानसिकता से कार्य करते हैं और चाहते हैं कि टॉपर्स उनके संस्थान के ही हों ताकि वे और अधिक छात्रों को आकर्षित कर सकें। वे बेहतर प्रदर्शन करने के लिए छात्रों पर बहुत अधिक दबाव बनाते हैं, छात्रों के प्रदर्शन के आधार पर अलग-अलग श्रेणी के बैच बनाने जैसे भेदभावपूर्ण व्यवहार करते हैं। ये छात्र पेइंग गेस्ट के रूप में और अपने परिवारों से दूर हॉस्टल में रहते हैं तथा उनमें से कई प्रतियोगिता के भारी बोझ और उससे जुड़े मानसिक तनाव का सामना करने में सक्षम नहीं होते हैं।

हाल ही में, 5 छात्रों द्वारा की गई आत्महत्या की घटनाओं को राष्ट्रीय मीडिया द्वारा उजागर किया गया है और आपको मुख्यमंत्री द्वारा स्थिति की रिपोर्ट पेश करने तथा मामले में उचित कदम उठाने के लिए कहा गया है। मुख्यमंत्री ने आपको इस मामले को लाइमलाइट से दूर रखने के लिए भी कहा है ताकि कोचिंग संस्थान अपना कारोबार करते रहें और अपने लिए तथा राज्य के लिए राजस्व उत्पन्न करते रहें। जांच करने पर, आपको पता चलता है कि 2-3 सबसे प्रसिद्ध कोचिंग संस्थान सत्तारूढ़ दल के राजनीतिक नेताओं द्वारा चलाए जा रहे हैं। वे छात्रों को लुभाने के लिए झूठे विज्ञापनों का सहारा ले रहे हैं। वे छात्रों पर प्रदर्शन करने के लिए अनुचित दबाव भी बनाते हैं। इसके अलावा, प्रदर्शन बढ़ाने वाली दवाओं का एक अवैध बाजार भी उभर रहा है और यह छात्रों के बीच काफी प्रचलित है।

स्थिति को देखते हुए:

- इसमें शामिल हितधारकों का उल्लेख कीजिए और दिए गए प्रकरण से जुड़े नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।
- दी गई स्थिति में, आप क्या कार्रवाई करेंगे?
- छात्रों के बीच आत्महत्या के मामलों में वृद्धि के विभिन्न कारणों पर चर्चा करते हुए, इस मुद्दे के दीर्घकालिक समाधान के लिए उपाय सुझाइए।

You are the District Magistrate of a district, which is the hub of coaching centres for engineering as well as medical entrance exams. Recently, around 5 students have committed suicide owing to academic and social pressure. Students in the age group 15-18 years from across the country come to the district with the dream of getting admission into prestigious institutions like the IITs and AIIMS. However, the coaching institutes are business-minded and want to have toppers from their institute so that they can attract more students. They create a lot of pressure on students to perform, with differential treatment like forming different category of batches depending on students' performance. These students live as Paying Guests and in hostels away from their families and many cannot tackle the huge burden of competition and the associated mental stress.

The recent spate of suicide by 5 students has been highlighted by the national media and you have been asked by the Chief Minister to present a report of the situation and take steps on the matter. The Chief Minister has also asked you to keep the matter away from limelight so that the coaching centres continue with their business and generate revenue for themselves as well as the state. Upon

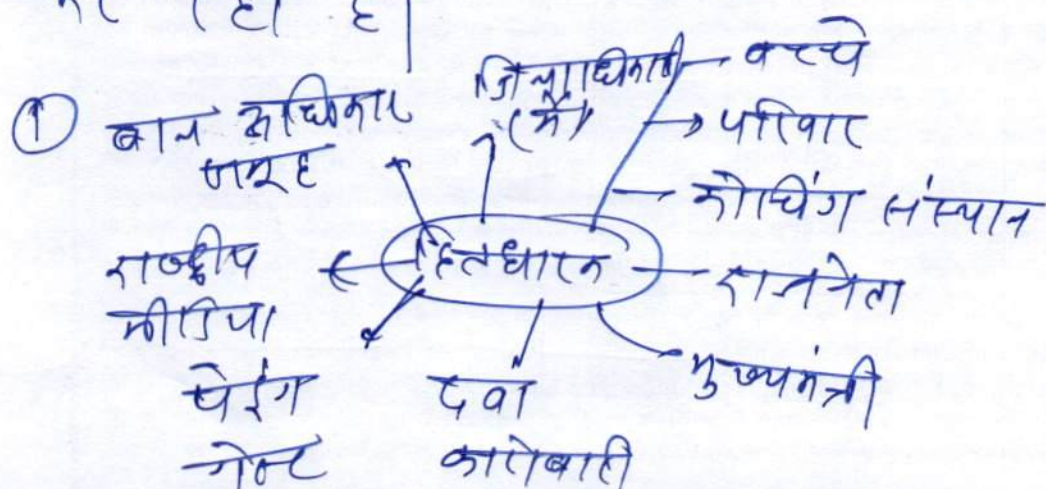


investigation, you find out that 2-3 of the most famous coaching institutions are run by political leaders of the ruling party. They are involved in false advertisements in order to lure students. They also create undue pressure on the students to perform. Also, there is an emerging black market for performance enhancing drugs, which have become common among the students.

Given the situation:

- Highlight the stakeholders involved and discuss the associated ethical issues in the given case.
- Given the situation, what will be your course of action?
- Discussing the various reasons for increased cases of suicides among students, suggest measures to address the issue in the long-run. (Answer in 250 words)20

NCRB की 2021 की रिपोर्ट के  
अनुसार उत्तर दिन 35 बच्चे  
आत्महत्या कर लेते हैं। राजपसखा  
में प्रमुख एक रिपोर्ट के अनुसार  
इस में 2018 से अभी तक 33  
घातों के आत्महत्या की। यह केस  
सही की इसी घटना का इन्वेस्टिग  
कर रहा है।





त्रैलिक मुद्दे

- ① कोचिंग संस्थान → टैपल का उत्पादन  
 → कार्मिक व्यवसाय  
 → कोचिंग में कायदा  
 कार्मिक  
 राजनीतिक मुद्दा  
 पढावकारी संस्था के रूप में

- ② बच्चों → बचपन बचाना  
 → घरवालों की शाखाएं  
 → कोचिंग में प्रतिस्पर्धी माहौल  
 पढाव में बेचारी  
 शासनहत्या

- ③ जिलाधिकारी → मुख्यमंत्री का दौरे  
 → त्रैलिक मुद्दों का संकलन  
 सामाजिक जिम्मेदारी  
 गैरतकदीनी एवं निष्पक्षता

कार्यवाई① अल्पकालिक (बच्चों हेतु)

- ① बच्चों को निषेधित ग्राउंडिंग मिले।

- ② कोचिंग में कगजों बच्चों से  
 गैरसाधन।



- ③ माता - पिता से रेगुलर संपर्क
- ④ हमले में एक बार फ्लिपबैक  
या घूमने जाना।
- ⑤ दोस्त बनाना एवं उनसे संपर्क  
रखना।

**कोर्चिंग** → उन्हें कंपनी रिपोर्ट देने का  
पक्का कहना  
→ विषयों का जांच करना  
करैक्टिक पाए जाने पर  
कम्प्लेन्स की निम्नलिखित रिपोर्ट देना

- दीर्घकालिक** →
- ① कोर्चिंग सम्पन्न के  
लिए निम्नलिखित मानक तैयार करना
  - ② बच्चों को माता - पिता से संपर्क  
करने हेतु प्रेरित करना
  - ③ मनोवैज्ञानिक प्रशिक्षण  
( ८ सेमी मानस (24x7)  
→ मनोसर्वण
  - ④ निपामित त्रिगगरी



- (C) आत्महत्या के कारण
- ① प्रतिस्पर्धी माहौल
  - ② दबाव
  - ③ एकाकीपन, अकामाई
  - ④ प्रेम संबंधों में असफल होना
  - ⑤ मदद करने की वृत्ति
  - ⑥ सोशल मीडिया, मानसिक गैरिंग आदि.

### दीर्घकालिक समाधान

- ① निष्ठाधी → कोविडों के लिए बड़े कागज, निष्ठाधी तालिका
- ② संस्थागत → रेगुलर कौशलिंग स्कूल में पढ़ने के अलावा खेलने पर जोर
- ③ प्रशिक्षण → मानसिक समाज के कलंक से इलाका माता-पिता से मुड़ाव बढ़ाना
- ④ मूल्यआत्मक → मूल्यआत्मक शिक्षा दबाव सहने की क्षमता

कच्चे समाज की धारणा  
हैं सेल में कउट्टे 39(1) के अनुसार  
उनका कचपन कचाना चाहिए



12. आप हाल ही में भारत के एक महानगर में जल आपूर्ति और सीवर बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में नियुक्त हुए हैं। हाल ही में, एक ऐसी घटना हुई थी जिसमें दो गरीब लोगों की शहर के एक पॉश मोहल्ले में सीवर की जोखिमपूर्ण सफाई के दौरान मौत हो गई थी, जिसमें शहर के शीर्ष कॉर्पोरेट प्रमुख रहते थे। प्रारंभिक रिपोर्ट में पाया गया कि उक्त मोहल्ले के कुछ निवासियों ने स्थानीय शहर प्रशासन की जानकारी के बिना सीवर की सफाई के लिए निजी कर्मचारियों को नियुक्त किया था।

संबंधित निवासियों के साथ-साथ दोनों मृत लोगों को काम पर नियोजित करने वाले निजी ठेकेदार के खिलाफ उनकी लापरवाही के कारण हुई मौत का मामला दर्ज कर लिया गया है। यह शिकायत उस मोहल्ले के निवासियों के लिए एक चौंकाने वाली घटना थी, जिनमें से अधिकांश ने पहले कभी कानूनी कार्यवाई का सामना नहीं किया था।

जांच के दौरान मोहल्ले के लोगों ने शिकायत की कि स्थानीय प्रशासन लंबे समय से सीवरों की सफाई नहीं करा रहा है, जिसके कारण उन्हें निजी कर्मचारियों को काम पर रखना पड़ा। आपको यह भी पता चला है कि नगर प्रशासन में मेंटेनेंस कार्यों को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है, जिसका आज तक कोई समाधान नहीं हुआ है। समग्र रूप से नगर प्रशासन भी आवश्यक बुनियादी ढांचे के निर्माण और सीवेज सफाई से संबंधित कार्य करने के लिए सुरक्षात्मक गियर प्रदान करने के लिए धन की कमी का सामना कर रहा है।

दूसरी तरफ, मृतक के परिजनों ने मुआवजे के लिए सरकार पर दबाव बनाना शुरू कर दिया है। साथ ही, मीडिया ने भी इस घटना के लिए नगर प्रशासन की उदासीनता को जिम्मेदार मानते हुए हंगामा किया हुआ है और मोहल्ले के हार्ड प्रोफाइल निवासियों के खिलाफ दर्ज शिकायतों को वापस लेने के लिए दबाव बना हुआ है।

उपर्युक्त स्थिति के आलोक में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

- संबंधित मुद्दों के साथ प्रकरण में शामिल हितधारकों की पहचान कीजिए।
- दिए गए प्रकरण में आपके समक्ष उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन कीजिए। आप इनमें से कौन-सा विकल्प चुनेंगे और क्यों?
- भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए आप कौन-से दीर्घकालीन उपाय करेंगे?

You have recently joined as the Chief Executive Officer of the Water Supply and Sewerage Board in a metropolitan city of India. Recently, there was an incident where two poor people died while undertaking hazardous cleaning of sewers in a posh neighbourhood, housing top corporate honchos of the city. The preliminary report found that a few residents in the said neighbourhood employed private workers to clean the sewers without the knowledge of the local city administration.

A complaint for causing death by negligence has been registered against the concerned residents as well as the private contractor through whom these poor people were employed to carry out the task. The complaint has come as a shock to the residents of the neighbourhood, most of whom never had a brush with the law before.

During the investigation, the residents of the neighbourhood complained that the local administration has not been cleaning sewers for a long time, forcing them to hire private workers. You also come to know that there has been a confusion over the maintenance works in the city administration, with no resolution till date. The city administration, as a whole, has also been facing a shortage of funds to build

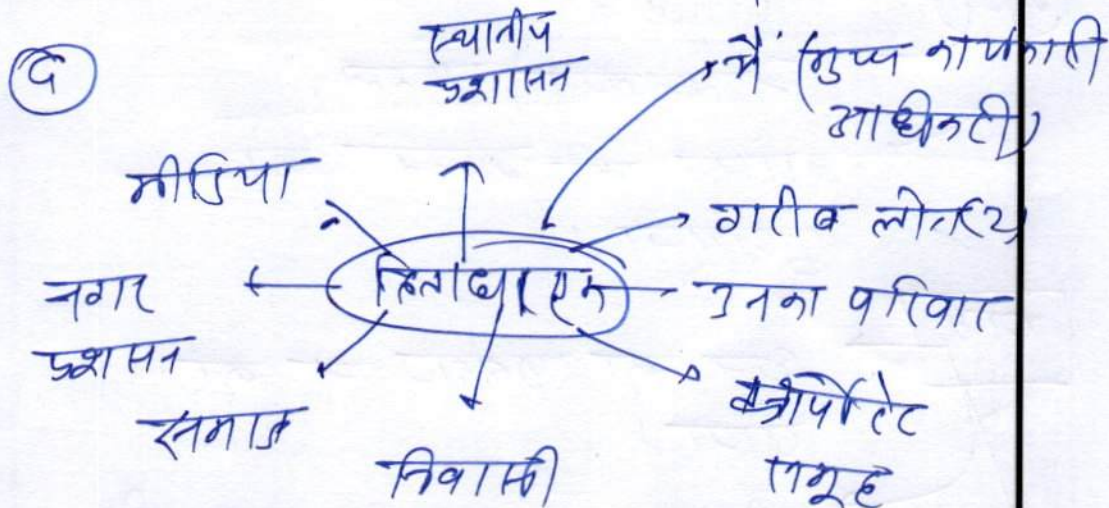


the requisite infrastructure and provide protective gears to carry out the sewage cleaning work. In the meantime, the family members of the deceased have started pressurising the government for compensation and there has also been a media blitzkrieg blaming the apathy of the city administration for the incident and pressure to withdraw the complaints registered against the high profile residents of the neighbourhood.

In light of the above situation, answer the following questions:

- Identify the stakeholders involved in the case along with the associated issues.
- Evaluate the options that are available to you in the given case. Which of these options will you choose and why?
- What will be the long-term measures you will take to prevent such an incident from occurring in the future? (Answer in 250 words) 20

उपरोक्त केस स्टी में लोक  
निधि की अनुपलब्धता एवं अनौपचारिक  
तरीके से निपटारे के कारण उत्पन्न  
हुए लगभग का उत्पन्न है।



(क) उपलब्ध विकल्प

- दोषियों के खिलाफ सख्त प्रेशन लेना



**गुण** → कृत्यों से समावृत्ति तथा  
विधि के कठोर कार्य करना  
नगरिक के प्रति शासन

**दोष** → परिस्थितियों को न समझना  
कर्तव्यविहीन  
कार्यकारियों के कठिनाई  
नपहेलना

② उन्हे समझाने (कृत्यों के प्रतिपाद)  
का प्रयास करना एवं दुःशास्त्रा डिलवना

**गुण** → समावृत्ति कार्य  
ने कटवकारी पहल  
शासन की गलती को  
बुझाना।

**दोष** → धन का प्रबंधन न कर  
पाना।  
मीडिया द्वारा सरकार की  
कल्पना  
स्वयं की गलती (वीगार)



मेरा यपन

- ① सर्वश्रेष्ठ निष्पक्ष जांच के तहत  
कमेटी का गठन।
- ② सभी हितधारकों के संवाद
- ③ पीड़ितों के लिए मुआवजा।
- ④ दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई
- ⑤ NCO's, मीडिया के द्वारा ऐसे  
कनेक्शन राज्यों पर रोक के आसार
- ⑥ दीर्घकालिक उपबंध करके तमिलनाडु  
के समाधान का आसार करेगा।

दीर्घकालिक उपाय

- ① निषेधित सफाई तीव्रता की  
निषेधित सफाई।

कार्रवाइ का औपचारिकता

कार्रवाइ की  
औपचारिक निष्पक्ष

- ③ किताब सभी कर्मचारियों का किताब हो



④ NPAs की श्रमिका सफ़र काना  
जिससे निपमित नाये हे।

⑤ सभी कर्मचारियों को अपनी मुआफ़ा  
तकनी के लिए मुआफ़ा का  
फ़ायदा हो।

कतः नागरिकों के तत्कालीन  
एवं उनकी सहभागिता सुनिश्चित  
करने हेतु उन्हें केन्द्र में एकत्र  
निर्वाप लिए जाने चाहिए क्योंकि  
'वे लायक हैं' लायक नहीं'।